



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 168]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 22, 1984/ उद्येष्ठ 1, 1906

No. 168] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 22, 1984/JAYSTHA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त संचालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 22 मई, 1984

अधिसूचना

सं० 160/84-सीमाशुल्क]

मां०कां० नि० 389(अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की पधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लाकड़ों में ऐसा करना आवश्यक है, ऐसी मीटर कार को, जिसकी इंजन क्षमता 1800 घन सेंटीमीटर से अधिक नहीं है और जिसका मूल्य 65000 रु० से अधिक नहीं है और जो विशेष रूप से ऐसे किसी निशक्त व्यक्ति द्वारा उपयोग किए जाने के लिए डिजाइन की गई है या अनुकूलित की गई है, जिसे इस अधिसूचना से उपायय सारणी से विनिर्दिष्ट निशक्तताओं में से कोई निशक्तता है और जब उसका उक्त निशक्त व्यक्ति द्वारा भारत में आयात किया जाता है,

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पंद्रही अनुसूची में विनिर्दिष्ट उम पर उद्येष्ठणीय सीमाशुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के पचास प्रतिशत को दर पर संगणित रकम से अधिक है,

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उक्त पर उद्येष्ठणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए, छूट देती है, अर्थात् —

(i) आयातकर्ता, आयात के लिए और स्थान पर, सीमाशुल्क सहायक कन्वक्टर को, संबंधित सीमाशुल्क कन्वक्टर द्वारा हम प्रयोजन के लिए गठित बिक्रिमा बोर्ड से जो ऐसे म.स्यन प्राप्त सरकारी साधारण अस्पतालों के, जिनमें विशेष सेवाएं उपलब्ध हो, कम से कम तीन विशेषताओं, अर्थात् एक सर्जन, एक चिकित्सक और एक अस्थिशल्य चिकित्सक से मिलकर बनेगा, चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें निम्नलिखित प्रमाणित किया गया हो कि—

(क) आयातकर्ता की विनिर्दिष्ट निशक्तता जैसी उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट है, और

(ख) आयातकर्ता की कम से कम एक ऊपरी अंग में, ऐसे आयातकर्ता द्वारा उपयोग के लिए उक्त विशेष डिजाइन या अनुकूलन वाली मीटर कार का चलाने की पर्याप्त शक्ति है;

(11) आयातकर्ता, उनके द्वारा ऐसी किसी कार के आयात और उपयोग के लिए आवश्यकता और अत्यावश्यकता के न्यायोचित के संबंध में सीमाशुल्क सहायक कन्वक्टर का समाधान कर देता है, और सीमाशुल्क सहायक कन्वक्टर आयातकर्ता द्वारा ऐसी कार के आयात और उपयोग के लिए, उक्त आवश्यकता और अत्यावश्यकता पर विचार करने समय आयातकर्ता की वृत्ति की प्रकृति का, जो ऐसी मीटर कार के आयात और उपयोग को न्यायोचित ठहराती है, ध्यान रखेगा,

(iii) आयातकर्ता, आयात-कर निर्धारण अधिनियम या कोई अन्य स्थापन योग्य सौख्य यह सिद्ध करने के लिए पेश करता है कि उसकी वार्षिक आय 30,000 रु० से अधिक है;

(iv) आयातकर्ता ने इससे पहले अपने उपयोग के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई या अनुकूलित मोटरकार आयात नहीं की है;

(v) आयातकर्ता, आयात के समय और स्थान पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को इस अधिनियम का वजनबोध करता है कि उक्त मोटरकार उसके कब्जे, नियंत्रण और उपयोग में रहेगी और उक्त सीमाशुल्क सहायक कलक्टर की अनुज्ञा के बिना उसे बेचा नहीं जाएगा या उसे बिलग नहीं किया जाएगा;

(vi) आयातकर्ता, आयात के समय पर स्थान पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को, मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) के उपबंधों के अधीन उसे मोटर कार चलाने के लिए प्राधिकृत करते हुए उसे जारी की गई प्रभावी चालन अनुज्ञप्ति प्रस्तुत करता है; और

(vii) उक्त मोटर कार का, भारत में किसी पत्र पर परिवहन के लिए 30 अप्रैल, 1984 से पहले खदान किया गया है।

2. यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

भारणी

निष्कर्षताएं

1. निचले अंगों के दोनों भागों या एक भाग का अंगोच्छेदन जिसके अन्तर्गत घटने में नीचे के अंग के एक भाग का अंगोच्छेद नहीं है;

2. पूर्ण अविद्यमान अवस्थागत जिसकी शल्य चिकित्सा या काय-चिकित्सा नहीं की जा सकती;

3. किसी कारण या पार्श्व अंगघात से एक ऊपरी अंग या दोनों निचले अंगों का स्थायी या पूर्ण पक्षाघात।

[फा० सं० 459/1/84-सी० शु० शु० V]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 1984

No. 160/84-Customs

G.S.R. 389 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts a motor car, of an engine capacity not exceeding 1000cc and value not exceeding Rs. 65,000 and specially designed or adapted for use by such a disabled person who has any of the disabilities specified in the Table annexed to this notification, when imported into India by the said disabled person, from—

(a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of fifty per cent ad valorem;

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely:—

(i) the importer furnishes a Medical Certificate to the Assistant Collector of Customs, at the time and place of importation, from the Medical Board constituted for this purpose by the concerned Collector of Customs, consisting of at least three specialists, namely, one Surgeon, one Physician and one Orthopaedic Surgeon from recognised Government General Hospitals in which the specialists services are available, certifying—

(A) the specific disability of the importer as specified in the said Table, and

(B) that the importer has adequate power in at least one upper limb for driving a motor car with the said special design or adaptation for use by such importer;

(ii) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs regarding justification of the need and essentiality for the import and use of such a motor car by the importer; and the Assistant Collector of Customs shall, in considering the said need and essentiality for the import and use of such a motor car by the importer, have regard to the nature of profession of the importer which justifies the import and use of such a motor car;

(iii) the importer produces an Income-tax Assessment Order or any other verifiable evidence to establish that his yearly income is more than Rs. 30,000;

(iv) the importer has not imported a specially designed or adapted motor car for his use earlier;

(v) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time and place of importation, to the effect that the said motor car shall remain in his possession, control and use and shall not be sold or parted without the permission of the said Assistant Collector of Customs;

(vi) the importer produces to the Assistant Collector of Customs at the time place of importation an effective driving licence, issued to himself authorising him to drive a motor car, under the provisions of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939); and

(vii) the said motor car has been shipped prior to 30th April, 1984, for delivery at any port in India.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st July, 1984.

THE TABLE DISABILITIES

1. Unilateral or bilateral amputees of the lower limb excluding below knee unilateral amputees;
2. Complete traumatic paraplegics which cannot be surgically or medically treated;
3. Permanent or complete paralysis of one upper limb or both lower limbs due to any reason or hemiparalysis.

[F. No. 459/1/84-Cus. V.]

अधिसूचना

सं० 161/84-सीमाशुल्क

सं० का० नि० 390(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 36 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 131/84-सीमाशुल्क, तारीख 11 मई, 1984 का निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 219 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“220 सं० 160/84-सीमाशुल्क,
तारीख 22 मई 1984”।

[का० सं० 459/1/84-सी० शु० V]

राजेंद्र प्रकाश, अवर सचिव

NOTIFICATION

No. 161/84-Customs

G.S.R. 390 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 36 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 131/84-Customs, dated the 11th May, 1984, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 219 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted, namely:—

“220 No. 160/84-Customs, dated 22nd May, 1984.”

[No. F. 459/1/84-Cus. V]

RAJENDRA PRAKASH, Under Secy.

